<u>कोर्स रिपोर्ट</u>

इन्वेस्टिगेशन ऑफ इकोनोमिक ऑफेंसेज

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 21.03.2017 से 25.03.2017 तक 'इन्वेस्टिगेशन ऑफ इकोनोमिक ऑफेंसेज' विषय पर पांच दिवसीय कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स में राजस्थान पुलिस के 12 निरीक्षक पुलिस एवं 16 उप निरीक्षक पुलिस स्तर के अर्थात् कुल 28 अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री एम.एम. अत्रे ने धोखाधड़ी, आपराधिक दुर्विनियोग, आपराधिक न्यास भंग आदि के अपराधों के बारे में विस्तार से बताते हुए अनुसंधान के दौरान ली जाने वाली साक्ष्य तथा ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में बताया। श्री आर.एस. शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (सेवानिवृत्त), राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जयपुर ने डिजिटल साक्ष्य एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के परीक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की। श्री आर.एस. बत्रा, आर.ए.एस.(सेवानिवृत्त) द्वारा जमीन संबंधी विवादों के संबंध में व्याख्यान दिया गया। श्री मिलिंद अग्रवाल, साइबर विशेषज्ञ

द्वारा इन्टरनेट के माध्यम से किये जाने वाले आर्थिक अपराधों, बैंकिग एवं वित्तीय अपराधों के अनुसंधान के बारे में बताया। श्री नीरज माथुर ने ऑन लाइन बैंकिग अपराधों के बारे में बताते हुए इस प्रकार के अपराधों को रोकने, उनका पता लगाने तथा अनुसंधान के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। श्री आर.सी. शर्मा, सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने आर्थिक अपराधों की वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए इस प्रकार के अपराधों के नियंत्रण के बारे में बताया। श्री मुकेश यादव, उप अधीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर ने मोबाइल फोन व इन्टरनेट के उपयोग से आर्थिक अपराधों का पता लगाने, साक्ष्य एकत्रित करने एवं इस प्रकार के अपराधों में अनुसंधान के दौरान ध्यान देने योग्य बातों के बरे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। श्री धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक, आरपीए, जयपुर ने मादक द्रव्य एवं स्वापक औषधि अधिनियम में वित्तीय अनुसंधान पर व्याख्यान दिया।

कोर्स के समापन सत्र में श्री डी.सी. जैन, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सर्तकता), राजस्थान, जयपुर द्वारा प्रतिभागियों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं आय से अधिक सम्पति के मामलों में अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए अनुसंधान अधिकारियों को इस प्रकार के अपराधों में विशेषज्ञों से प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी करने के पश्चात् अनुसंधान में आगे बढने का सन्देश दिया। कोर्स के समापन पर उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये।